होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा तथा एस.डी.ई.आर.एफ. द्वारा संपादित आपदा प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण कार्य

आपदायें प्रगति में बाधा डालती हैं तथा बड़ी मेहनत और यत्नपूर्वक किए गए विकास संबंधी प्रयासों के फल को नष्ट कर देती हैं और प्रगति की ओर अग्रसर हो रहे राष्ट्र को कई दशक पीछे धकेल देती हैं। म.प्र.राज्य भी विभिन्न प्रकार की नैसर्गिक एवं मानव निर्मित आपदाओं एवं आपातकालीन स्थितियों से ग्रस्त है।

2/ राज्य के 28 जिले भूकंप तीव्रता की दृष्टि से जोन–3 एवं 22 जिले जोन–2 में आते है। इसी प्रकार पिछले कुछ वर्षो के अनुभवों के आधार पर राज्य के 33 जिले बाढ़ प्रभावित रहे है। प्रदेश में बड़ी दुर्घटना जोखिम के 20 औद्योगिक जिले है।

इसके अलावा अग्नि, सूखा, बर्फबारी, रासायनिक दुघर्टनायें, रोड़ दुर्घटनायें, ट्रेन दुर्घटनायें इत्यादि से भी विभिन्न जिले प्रभावित रहे है। वर्ष 1984 में भोपाल जिले में विश्व की एक गंभीरतम गैस दुर्घटना घटित हुई है। राज्य में सैकड़ों की तादात मं उद्योग स्थापित है एवं राज्य शासन के औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में किये जा रहे सघन प्रयासों से निकट भविष्य में औद्योगिक इकाईयों की संख्या एवं प्रकृति दोनों में तीव्र वृद्धि अपेक्षित है।

3/ उत्तराखण्ड में आई आपदा से अनुमान हुआ कि मध्यप्रदेश में भी आपदा से निपटने में पूर्ण सक्षम यंत्र का होना आवश्यक है तथा आपदा रिसपांस क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। अतः प्रदेश में आने वाली आपदा के संबंध में त्वरित प्रतिकिया करने के लिए म0प्र0 शासन ने आदेश दिनांक 04.10.2013 द्वारा राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल (एस.डी.ई.आर.एफ.) का गठन किया। इसके अंतगर्त मुख्यालय स्तर पर स्टेट कमाण्ड सेन्टर तथा प्रथम चरण में 04 जिला इकाईयों भोपाल,जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर में एस.डी..ई.आर.एफ इकाई गठित की गई है। मुख्यालय स्तर पर 44 स्थाई पदों तथा चार जिला इकाईयों में 88 स्थाई पद, इस प्रकार कुल 132 नवीन पदों का सृजन किया गया। स्टेट कमाण्ड सेंटर के लिए 150 जवान तथा 4 जिला इकाईयों हेतु प्रत्येक में 100 के मान से 400 जवान, इस प्रकार कुल 550 जवानों के लिए अतिरिक्त कॉल–आउट का प्रावधान किया गया। 550 जवानों को 50 प्रतिशत अतिरिक्त एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को 15 प्रतिशत का आपदा जोखिम भत्ता का भी प्रावधान किया गया है।

4/ विगत वर्ष म0प्र0 में आई भारी बाढ़ के समय सेना एवं रेस्क्यु हेलीकाप्टरों को बुलाना पड़ा था। ऐसे में पूरे प्रदेश में होमगार्ड के 3000 जवान बाढ़ बचाव की डियुटी में लगे थे। इन जवानों ने उफनती नदियों में लहरों के बीच फंसे 1856 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा बाढ़ के गहरे पानी से 75 मृतकों के शव बाहर निकाले। होमगार्ड के इन जवानों ने मोटर बोट एवं अन्य उपकरणों की सहायता से पानी से घिरे ग्रामीणों को दवाईयॉ एवं भोजन उपलब्ध कराया एवं नॉव में बिठाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। होमगार्ड के जवानों द्वारा अपनी जान जौखिम में डालकर बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में किये गये इस उत्कृष्ट कार्य को दृष्टिगत रखते हुये शासन द्वारा इस कार्य में लगे जवानों को 15 दिन का अतिरिक्त मानदेय (मानवेतन एवं भोजन राशि) स्वीकृत किया गया है। इस वर्ष इस अत्यंत महत्वपूर्ण काये में लगे जवानों को एक माह का अतिरिक्त मानदेय (मानवेतन एवं भोजन राशि) स्वीकृत करने संबंधी प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।

5/ 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत आपदा प्रबंधन में कौशल उन्नयन एवं क्षमतावृद्धि हेतु स्वीकृत राशि रू. 8,17,97,939/– से एवं स्वयं के साधनों व प्रयासों द्वारा राज्य आपदा आपातकालीन मोचन

बल, ई.ओ.सी. व होमगार्ड के सुदृणीकरण व आपदा एवं आपातकलीन परिस्थितियों में प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य हेतु प्रशिक्षण संबंधी निम्नानुसार कार्यवाही की गई :–

- प्रस्ताव अनुसार स्वीकृत राशि से उपकरण, फर्नीचर व सामग्री कय संबंधी कार्यवाही की जाकर एसडीईआरएफ स्टेट कमाण्ड सेंटर, 04 जिला इकईयों एवं प्रदेश के समस्त जिलों में आपातकालीन संचालन केन्द्रों को उपकरण, फर्नीचर व सामग्री प्रदाय की जाकर सुदृणीकरण किया गया है।

- विभाग द्वारा प्रत्येक जिले में ई.ओ.सी. प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। आगामी मानसून के पूर्व जिलों में स्थापित आपातकालीन संचालन केन्द्रों का सुदृणीकरण किये जाने हेतु सॉफ्टवेयर भी तैयार कराया गया है तथा सभी जिलों में ब्राडबैण्ड कनेक्शन स्थापित कराये जाने हेतु कार्यवाही प्रचलन में हैं।

- आपदा प्रबंधन संस्थान,भोपाल में होमगार्ड के सभी संभागीय सेनानी एवं जिला सेनानियों का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण ;ज्व्ज्द्ध कार्यक्रम पूर्ण हो चुका है।

- शासन के अन्य विभागों के भी प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन संस्थान,भोपाल में कराया गया।

- जबलपुर में एस.डी.ई.आर.एफ. के लगभग 100 जवानों का आपदा प्रबंधन हेतु विशेष प्रशिक्षण एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों द्वारा माह फरवरी–मार्च 2014 में सफलतापूर्वक पूर्ण कराया गया हैं। 06 सप्ताह के प्रशिक्षण हेतु द्वितीय बैच माह मई 2014 से प्रारंभ हुआ है।

- आपदा एवं आपातकालीन स्थिति में आम नागरिकों को जागरूक करने एवं प्रशिक्षित किये जाने हेतु प्रदेश के जिलों में लगभग 52 आपदा प्रबंधन कार्यशालायें सफलतापूर्वक पूर्ण कराई जा चुकी है। पूरे प्रदेश में लगभग 600 आपदा प्रबंधन कार्यशालायें कराये जाने का लक्ष्य रक्षा गया है। कार्यवाही प्रचलन में है।

- बी.एस.एफ. अकादमी टेकनपुर में हामगार्ड एवं एस.डी.ई.आर.एफ. के 50 सैनिकों को 03 मार्च, 2014 से प्रारंभ बैच में विशेष प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। द्वितीय बैच 07 जुलाई 2014 से प्रारंभ हो रहा है।

- राज्य आपदा प्रबंधन विमोचन बल में प्रशिक्षित मानवबल का होना अत्यन्त आवश्यक हैं इसे देखते हुए केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में होमगार्ड के जवानों का प्री इंडक्शन कोर्स चलाया गया इसके अंतर्गत दिनांक 13.05.13 से 28.06.13 तक 148 जवानों को प्रशिक्षण दिया गया, दूसरे कोर्स में 136 जवानों को 16.09.13 से 19.01.13 तक प्रशिक्षित किया गया।

- समुदाय आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम म0प्र0 के सभी जिलों में चलाया गया इसके अंतर्गत नागरिकों एवं आपदा संभावित क्षेत्रों के रहवासियों के लिए 2 दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गई। इसमें 50–50 लोगों को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञों से प्रशिक्षण दिलाया गया। बचाव उपकरणों का उपयोग करना सिखाया गया

तथा आपदा आने पर क्या–क्या सावधानियॉ बरतनी चाहिए, इस बात की जानकारी भी दी गई। प्रदेश के सभी जिलों में उक्त कार्यशाला से संबंधित प्रशिक्षण का प्रथम चरण लगभग पूर्ण हो गया है।

- अधिकारियों में प्रशिक्षण आवश्यकता को देखते हुए होमगार्ड तथा पुलिस विभाग के 10 राजपत्रित अधिकारियों को मई 2013 में एन.डी.आर.एफ. की ट्रेनिंग के लिए अहमदाबाद, गुजरात भेजा गया। आपदा के क्षेत्र में होमगार्ड के जवानों को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में एन.डी.आर.एफ. के सहयोग से 100 जवानों का एक माह का विशेष प्रशिक्षण कोर्स दिनांक 03.02.2014 से आरम्भ किया गया। मार्च 2014 में बी.एस.एफ. टेकनपुर, ग्वालियर में 50 जवानों का विशेष प्रशिक्षण कोर्स प्रारंभ किया गया है।

- इसके साथ ही प्रदेश में मानसून के समय उत्पन्न बाढ़ की स्थिति में फॅसे आमजन को सुरक्षित निकालने हेतु होमगार्ड के 150 स्वयं सेवकों को नतबिम ॅजमत – थ्सववक त्मेबनम ब्वनतेम एवं 30 स्वयं सेवकों को क्ममच क्पअपदह ब्वनतेम (विशेषज्ञ प्रशिक्षण) कोलकाता में कराये जाने हेतु कार्यवाही प्रचलन में है। दिनांक 31.03.2014 से प्रारंभ प्रशिक्षण में अब तक 120 जवानों का प्रशिक्षण कराया गया है। तृतीय बैच में 60 जवानों का प्रशिक्षण माह जून 2014 से प्रारंभ हुआ है।

- आपदा की चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्ण प्रशिक्षित पर्याप्त मानव बल का होना भी आवश्यक है जो आधुनिक राहत एवं बचाव उपकरणों के संचालन में पूरी तरह पक्ष हो, तथा विपरित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक निर्णय लें सके, इस हेतु आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के सहयोग से अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बनाया गया प्रशिक्षण की यह प्रकिया निरंतर चल रही है।

- प्रत्येक जिले में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (म्व्ब्द्ध स्थापित किये जाने की कार्यवाही प्रचलन में है। आपदा के समय ये इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटरस नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेंगे और सभी विभागों में समन्वय स्थापित कर राहत व बचाव कार्य तत्परता एवं प्रभावी ढंग से हो सके इस कार्य में मदद करेंगे। म्व्ब के सफल कार्य संचालन हेतु व्च का निर्माण प्रकियाधीन है। नर्मदा व प्रदेश की अन्य प्रमुख नदियों में बाढ से बचाव हेतु एक ग्रिड प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें बाढ़ बचाव उपकरण, नाव, लाईफ जैकेट तथा कुशल तैराक इत्यादि किन–किन गॉवों में तैनात किये जाये, ताकि बाढ़ के समय प्रभावी ढंग से बचाव कार्य चलाये जा सकें।

———

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा तथा एस.डी.ई.आर.एफ. द्वारा संपादित आपदा प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण कार्य

आपदायें प्रगति में बाधा डालती हैं तथा बड़ी मेहनत और यत्नपूर्वक किए गए विकास संबंधी प्रयासों के फल को नष्ट कर देती हैं और प्रगति की ओर अग्रसर हो रहे राष्ट्र को कई दशक पीछे धकेल देती हैं। म.प्र.राज्य भी विभिन्न प्रकार की नैसर्गिक एवं मानव निर्मित आपदाओं एवं आपातकालीन स्थितियों से ग्रस्त है।

2/ राज्य के 28 जिले भूकंप तीव्रता की दृष्टि से जोन–3 एवं 22 जिले जोन–2 में आते है। इसी प्रकार पिछले कुछ वर्षो के अनुभवों के आधार पर राज्य के 33 जिले बाढ़ प्रभावित रहे है। प्रदेश में बड़ी दुर्घटना जोखिम के 20 औद्योगिक जिले है।

3/ उत्तराखण्ड में आई आपदा से के दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश में आने वाली आपदा के संबंध में त्वरित प्रतिकिया करने के लिए म0प्र0 शासन ने आदेश दिनांक 04.10.2013 द्वारा राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल (एस.डी.ई.आर.एफ.) का गठन किया गया। मुख्यालय स्तर पर स्टेट कमाण्ड सेन्टर तथा प्रथम चरण में 04 जिला इकाईयों भोपाल,जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर में एस.डी..ई.आर.एफ इकाई गठित की गई ह एवं 132 नवीन पदों का सृजन किया गया। स्टेट कमाण्ड सेंटर के लिए 150 जवान तथा 4 जिला इकाईयों हेतु प्रत्येक में 100 के मान से कुल 550 जवानों के लिए अतिरिक्त कॉल–आउट का प्रावधान किया गया। इन 550 जवानों को 50 प्रतिशत अतिरिक्त एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को 15 प्रतिशत का आपदा जोखिम भत्ता का भी प्रावधान किया गया है।

4/ विगत वर्ष म0प्र0 में आई भारी बाढ़ के समय सेना एवं रेस्क्यु हेलीकाप्टरों को बुलाना पड़ा था। ऐसे में पूरे प्रदेश में होमगार्ड के 3000 जवान बाढ़ बचाव की डियुटी में लगे थे। इन जवानों ने बाढ़ एवं आपदा में फंसे 1856 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा गहरे पानी से 75 मृतकों के शव बाहर निकाले। होमगार्ड के इन जवानों ने मोटर बोट एवं अन्य उपकरणों की सहायता से पानी से घिरे ग्रामीणों को दवाईयॉ एवं भोजन उपलब्ध कराया एवं नॉव में बिठाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। होमगार्ड के जवानों द्वारा अपनी जान जौखिम में डालकर किये गये इस उत्कृष्ट कार्य को दृष्टिगत रखते हुये शासन द्वारा इस कार्य में लगे जवानों को 15 दिन का अतिरिक्त मानदेय (मानवेतन एवं भोजन राशि) स्वीकृत किया गया है।

राज्य शासन द्वारा होमगार्ड के जवानों के मानवेतन में 10 प्रतिशत की माह अप्रेल, 2014 से वृद्धि की गई है।

5/ 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत आपदा प्रबंधन में कौशल उन्नयन एवं क्षमतावृद्धि हेतु स्वीकृत राशि रू. 8,17,97,939/– से एवं स्वयं के साधनों व प्रयासों द्वारा राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल, ई.ओ.सी. व होमगार्ड के सुदृणीकरण व आपदा एवं आपातकलीन परिस्थितियों में प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य हेतु प्रशिक्षण संबंधी निम्नानुसार कार्यवाही की गई :–

- स्वीकृत राशि से उपकरण, फर्नीचर व सामग्री कय संबंधी कार्यवाही की जाकर केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान,होमगार्ड,मंगेली,जबलपुर एवं एसडीईआरएफ स्टेट कमाण्ड सेंटर, 04 जिला इकाईयों एवं प्रदेश के समस्त जिलों में आपातकालीन संचालन केन्द्रों को उपकरण, फर्नीचर व सामग्री प्रदाय की जाकर सुदृणीकरण किया गया है।

- विभाग द्वारा प्रत्येक जिले में ई.ओ.सी. प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। आपदा प्रबंधन संस्थान,भोपाल में होमगार्ड के सभी संभागीय सेनानी एवं जिला सेनानियों का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण ;ज्व्ज्द्ध कार्यकम पूर्ण हो चुका है। शासन के अन्य विभागों क भी प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन संस्थान,भोपाल में कराया गया।

- एनडीआरएफ एवं बी.एस.एफ. द्वारा होमगार्ड एवं एस.डी.ई.आर.एफ. के लगभग 200 जवानों का आपदा प्रबंधन हेतु विशेष प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कराया गया हैं।

- आपदा एवं आपातकालीन स्थिति में आम नागरिकों को जागरूक करने एवं प्रशिक्षित किये जाने हेतु प्रदेश के जिलों में लगभग 52 आपदा प्रबंधन कार्यशालायें सफलतापूर्वक पूर्ण कराई जा चुकी है। पूरे प्रदेश में लगभग 600 आपदा प्रबंधन कार्यशालायें कराये जाने का लक्ष्य रक्षा गया है। कार्यवाही प्रचलन में है।

- अधिकारियों में प्रशिक्षण आवश्यकता को देखते हुए होमगार्ड तथा पुलिस विभाग के 10 राजपत्रित अधिकारियों को मई 2013 में एन.डी.आर.एफ. की ट्रेनिंग के लिए अहमदाबाद, गुजरात भेजा गया।

- इसके साथ ही प्रदेश में मानसून के समय उत्पन्न बाढ़ की स्थिति में फॅसे आमजन को सुरक्षित निकालने हेतु होमगार्ड के 150 स्वयं सेवकों को नतबिम ॅजमत – थ्सववक त्मेबनम ब्वनतेम एवं 30 स्वयं सेवकों को क्ममच क्पअपदह ब्वनतेम (विशेषज्ञ प्रशिक्षण) कोलकाता में कराये जाने हेतु कार्यवाही प्रचलन में है। अभी तक 120 जवानों का प्रशिक्षण कराया गया है। 60 जवान प्रशिक्षणरत है।

- प्रत्येक जिले में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (म्व्द्ध स्थापित किये जाने की कार्यवाही प्रचलन में है। आपदा के समय ये इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटरर्स नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेंगे और सभी विभागों में समन्वय स्थापित कर राहत व बचाव कार्य तत्परता एवं प्रभावी ढंग से हो सके इस कार्य में मदद करेंगे। म्व्ब के सफल कार्य संचालन हेतु व्व का निर्माण प्रकियाधीन है। नर्मदा व प्रदेश की अन्य प्रमुख नदियों में बाढ़ से बचाव हेतु एक ग्रिड प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें बाढ़ बचाव उपकरण, नाव, लाईफ जैकेट तथा कुशल तैराक इत्यादि किन–किन गॉवों में तैनात किये जाये, ताकि बाढ़ के समय प्रभावी ढंग से बचाव कार्य चलाये जा सकें।

———